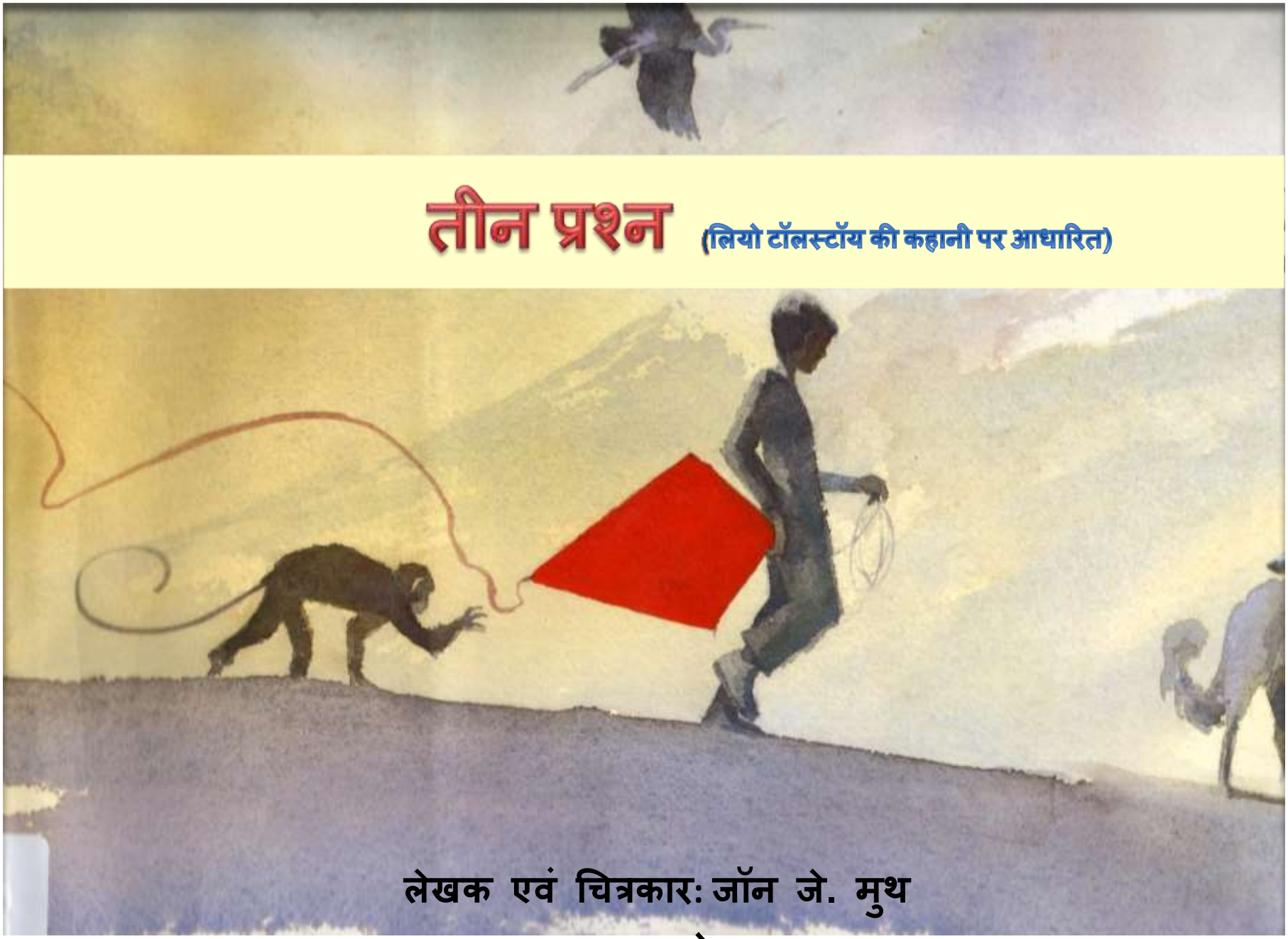

तीन प्रश्न

(लियो टॉलस्टॉय की कहानी पर आधारित)

लेखक एवं चित्रकार: जॉन जे. मुथ

अनुवादक: अशोक गुप्ता

निकोलाइ के लिये

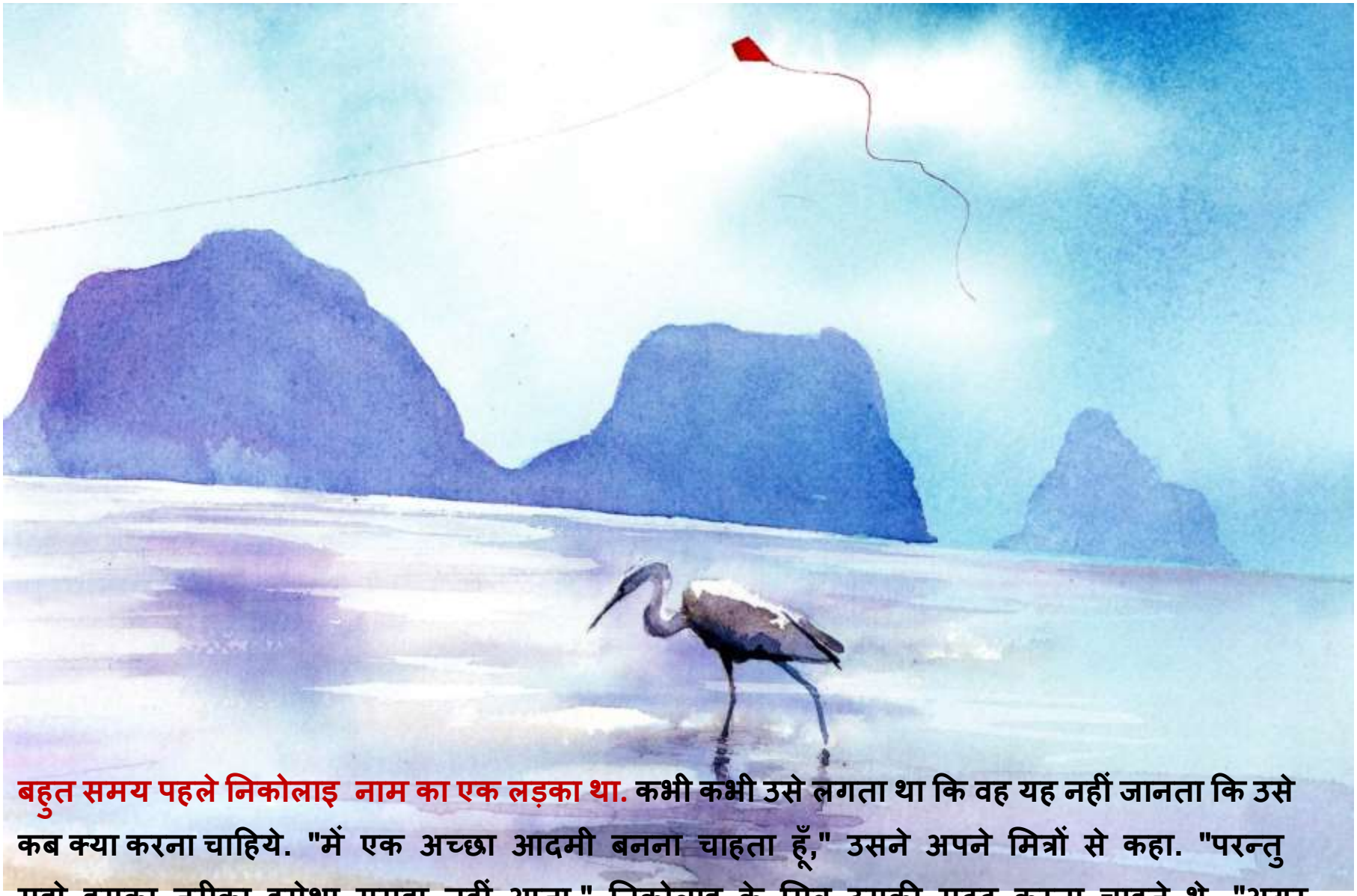

बहुत समय पहले निकोलाइ नाम का एक लड़का था. कभी कभी उसे लगता था कि वह यह नहीं जानता कि उसे कब क्या करना चाहिये. "में एक अच्छा आदमी बनना चाहता हूँ," उसने अपने मित्रों से कहा. "परन्तु मुझे इसका तरीका हमेशा समझ नहीं आता." निकोलाइ के मित्र उसकी मदद करना चाहते थे. "अगर मुझे अपने तीन प्रश्नों के उत्तर मिल जांय तो मुझे हमेशा पता रहेगा कि कब क्या करना चाहिये," निकोलाइ बोला.

किसी काम के करने का ठीक समय क्या है?
सबसे महत्वपूर्ण कौन है?
कौनसा काम उचित है?

निकोलाइ के मित्रों ने उसके पहले प्रश्न के बारे में सोचा. सोन्या नाम का बगला बोला, "यह जानने के लिए कि किसी काम के करने का ठीक समय क्या है, पहले से समझ-बूझ कर योजना बनानी पड़ती है."

गोगोल बंदर, जो पत्तियों के ढेर में खाने के लिये कुछ ढूंढ़ रहा था, बोला, "अगर तुम ध्यान दो और चौकस रहो तब तुम जान पाओगे कि कब क्या करना चाहिये."

तब पुश्किन कुत्ता, जो ऊंघ रहा था, पलटकर बोला, "तुम अकेले सब चीजों का ध्यान कैसे रख सकते हो? तुम्हें दोस्तों की एक टोली चाहिये जो हमेशा चौकस रहे और तुम्हारी मदद कर सके यह निर्णय करने में कि तुम्हें कब क्या करना चाहिये." उदाहरण के तौर पर, "गोगोल देखो, तुम्हारे सर पर एक नारियल गिरने वाला है!"

निकोलाइ ने थोड़ी देर सोचकर दूसरा प्रश्न
किया, "सबसे महत्वपूर्ण कौन है?"

आकाश की ओर उड़ते हुए सोन्या ने कहा, "वो जो स्वर्ग के बहुत पास हैं."

"वो जो पीड़ित को अच्छा करते हैं," सर पर लगी चोट को सहलाते हुए गोगोल बोला.

"वो जो दूसरों के लिए कानून बनाते हैं," पुश्किन गुर्राया.

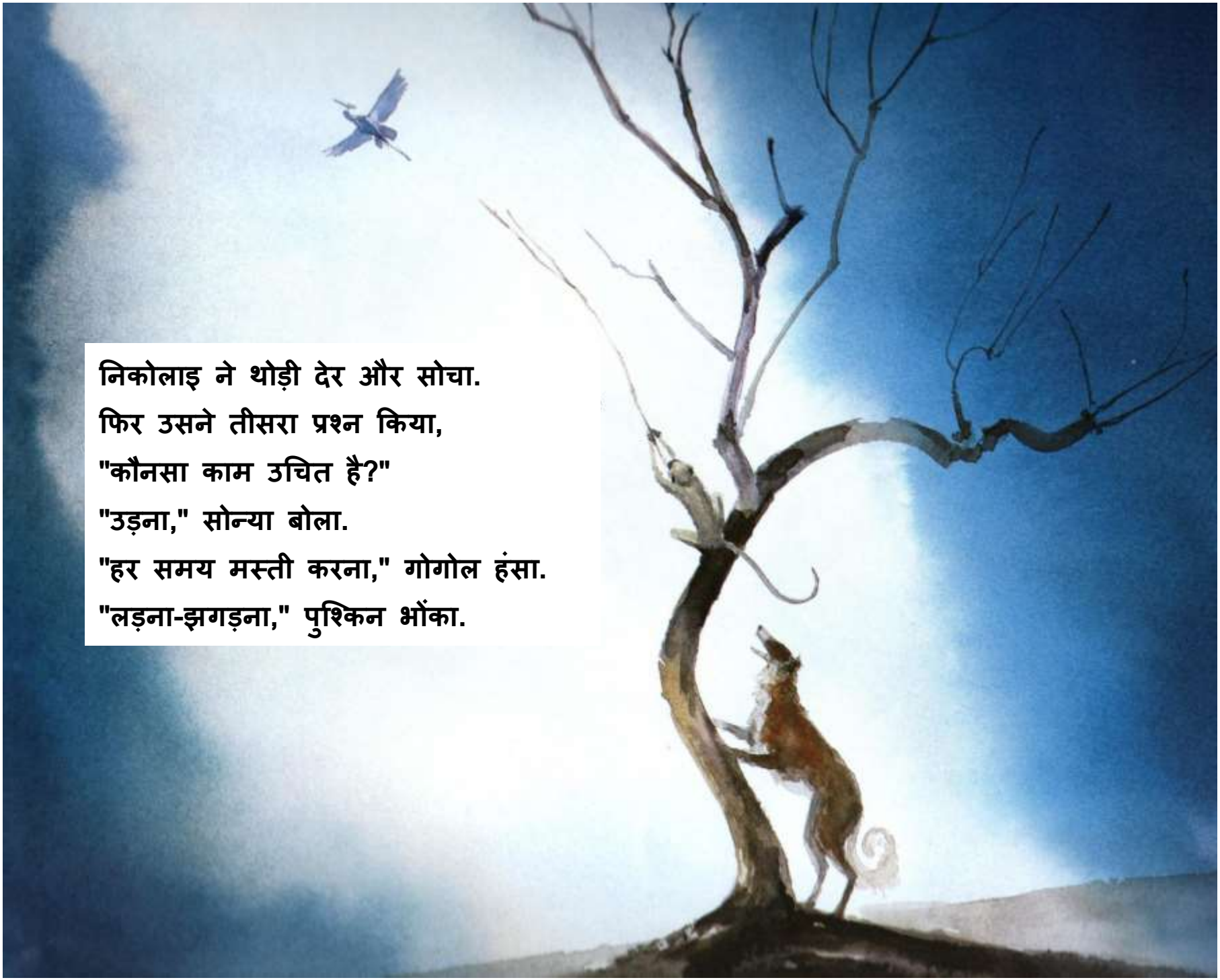
निकोलाइ ने थोड़ी देर और सोचा.
फिर उसने तीसरा प्रश्न किया,
"कौनसा काम उचित है?"
"उड़ना," सोन्या बोला.
"हर समय मस्ती करना," गोगोल हंसा.
"लड़ना-झगड़ना," पुश्किन भोंका.

निकोलाइ बहुत देर तक सोचता रहा. वो अपने दोस्तों को बहुत प्यार करता था. वो जानता था कि वे सब उसे प्रश्नों के उत्तर पाने में मदद कर रहे थे. परन्तु उनके उत्तर निकोलाइ को कुछ ठीक न लगे.

अचानक उसे एक विचार आया. क्यों न मैं लियो, कछुए, से पूछूं. वो तो पृथ्वी पर बहुत समय से है. उसे मेरे सवालों के जवाब ज़ुरूर मालूम होंगे.

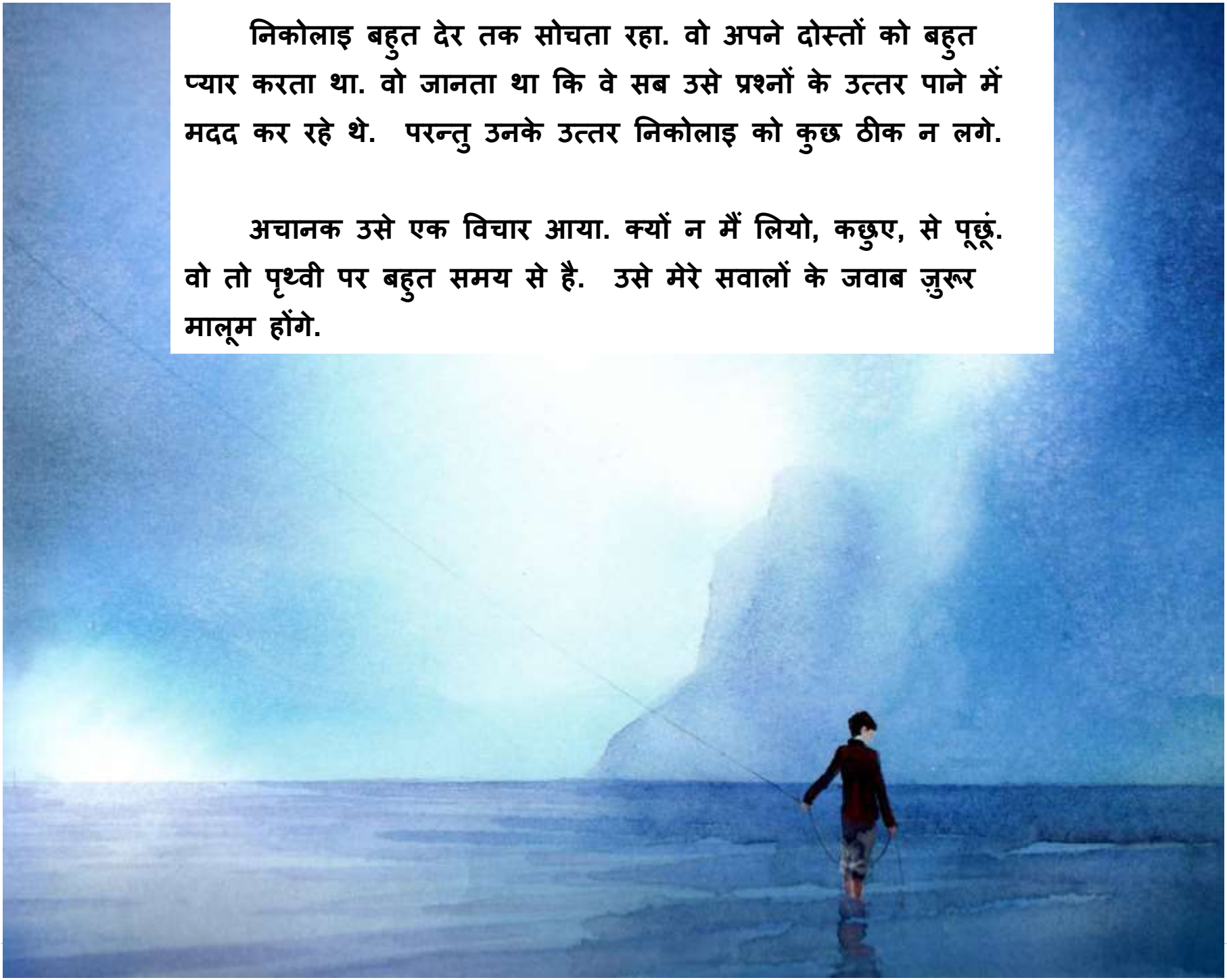

निकोलाइ पहाड़ पर चढ़ कर बुड्ढे कछुए से मिलने पहुँच गया जहां वो अकेला रहता था.

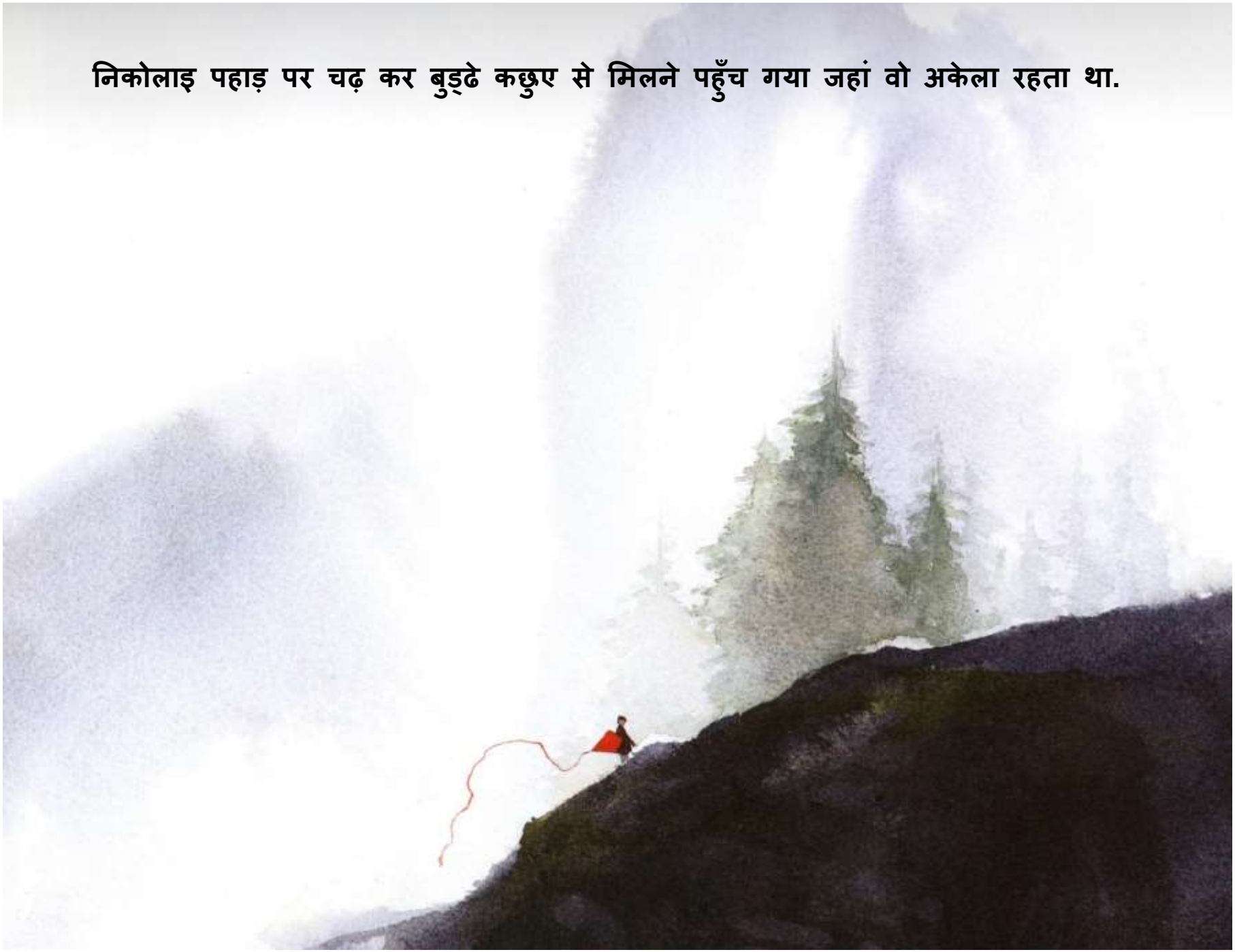

जब निकोलाइ वहां पहुंचा, लियो बगीचे में खुदाई कर रहा था.
कछुआ बुड्ढा था और खुदाई उसके लिए कठिन थी.
निकोलाइ बोला, "मेरे तीन प्रश्न हैं और मैं यहाँ उनके उत्तर पाने के लिए आपके पास आया हूँ."
“किसी काम के करने का ठीक समय क्या है? सबसे महत्वपूर्ण कौन है? कौनसा काम उचित है?”

लियो ने ध्यान से सुना, पर वह केवल मुस्कराया. और फिर खोदने लगा.

"आप थक गये होंगे," निकोलाइ ने कहा. "लाइये मैं आपकी मदद करता हूँ."

कछुए ने धन्यवाद कह फावड़ा उसे दे दिया. चूंकि एक बुड्ढे कछुए की तुलना में एक जवान लड़के के लिए खोदना कहीं आसान है, निकोलाइ ने जल्दी से सारी क्यारियां खोद दीं.

जैसे ही उसका काम ख़त्म हुआ, हवा तेजी से बहने लगी. काले बादलों से मूसला-धार बरसात होने लगी. वे शरण के लिए तेजी से झोंपड़ी की ओर दौड़े. तभी निकोलाइ को किसी के रोने-कराहने और मदद मांगनेकी आवाज़ सुनाई दी.

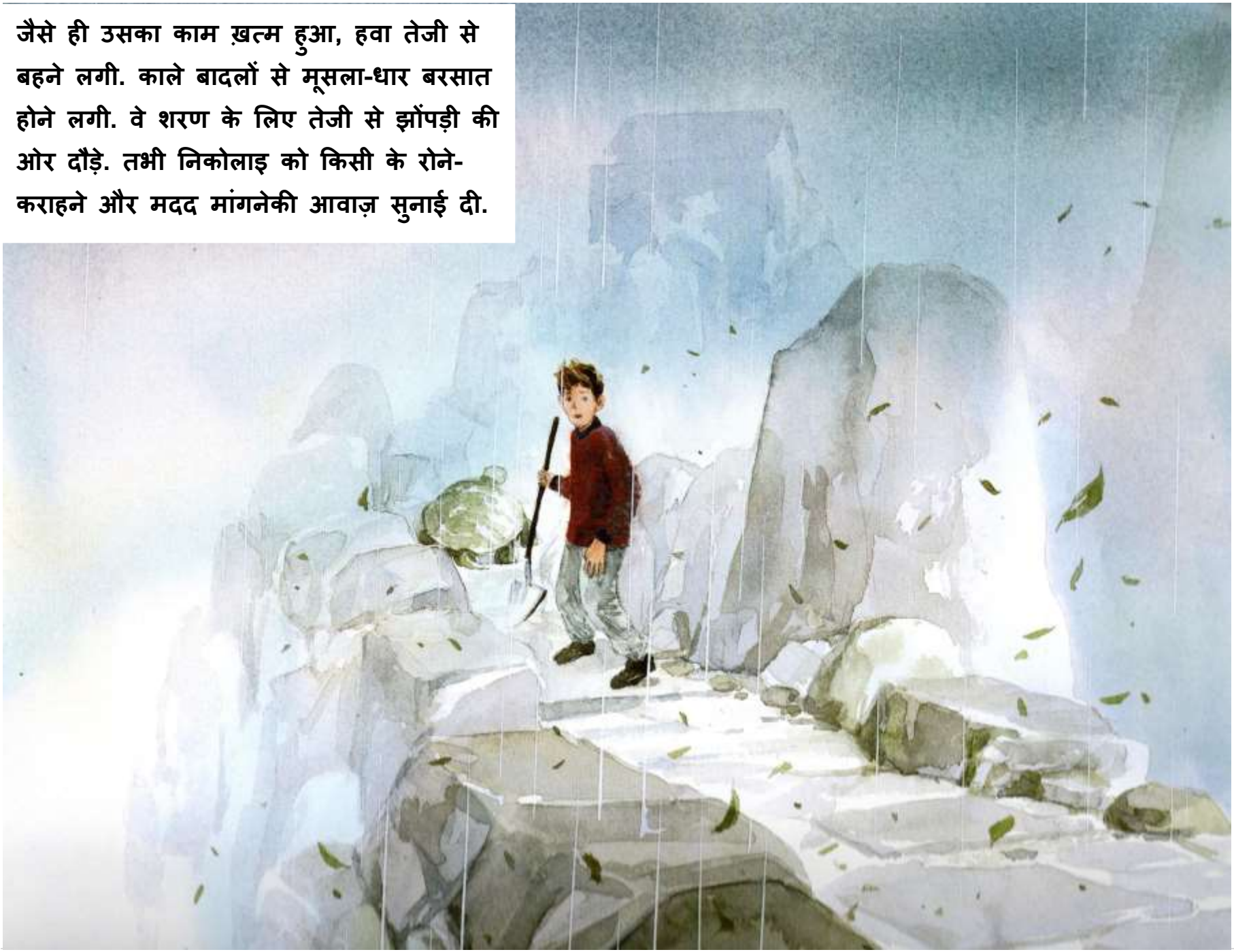

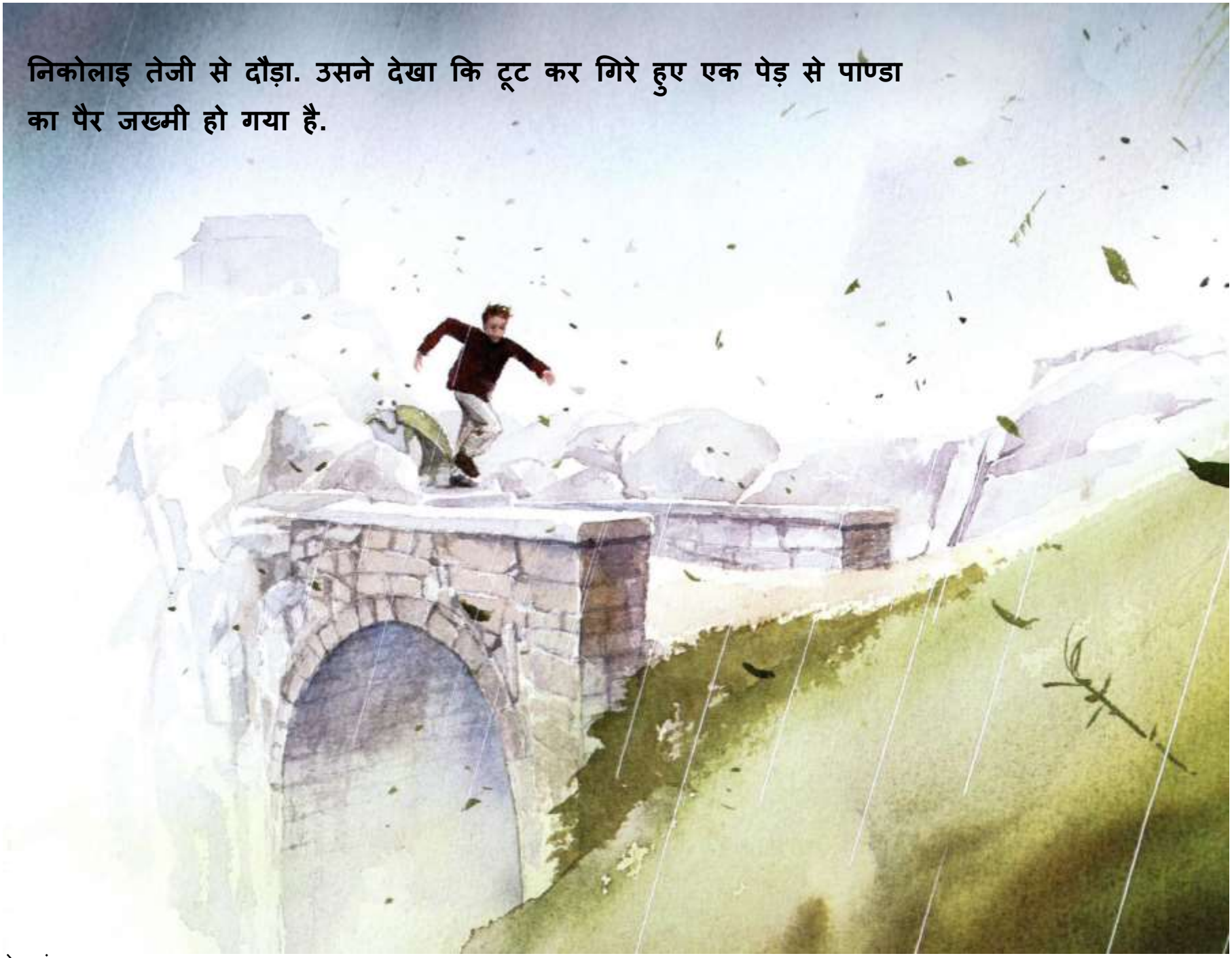

निकोलाइ तेजी से दौड़ा. उसने देखा कि टूट कर गिरे हुए एक पेड़ से पाण्डा का पैर जख्मी हो गया है.

निकोलाइ सावधानी से पाण्डा को उठाकर लियो के घर ले आया.

उसने बांस की खपच्ची से उसकी जख्मी टांग के लिये एक कमठी (स्पलिंट) बनायी.

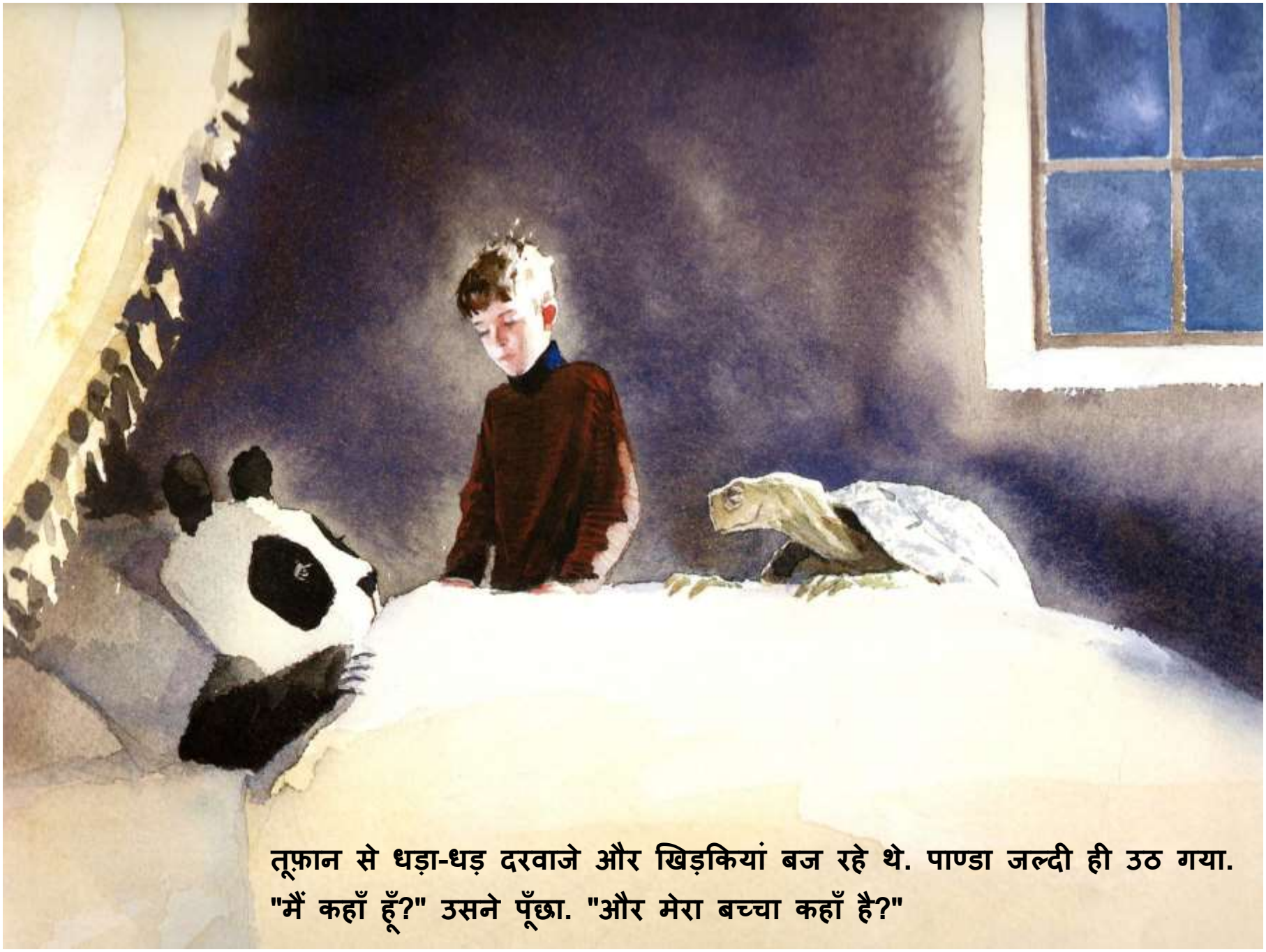
तूफ़ान से धड़ा-धड़ दरवाजे और खिड़कियां बज रहे थे. पाण्डा जल्दी ही उठ गया.
"मैं कहाँ हूँ?" उसने पूँछा. "और मेरा बच्चा कहाँ है?"

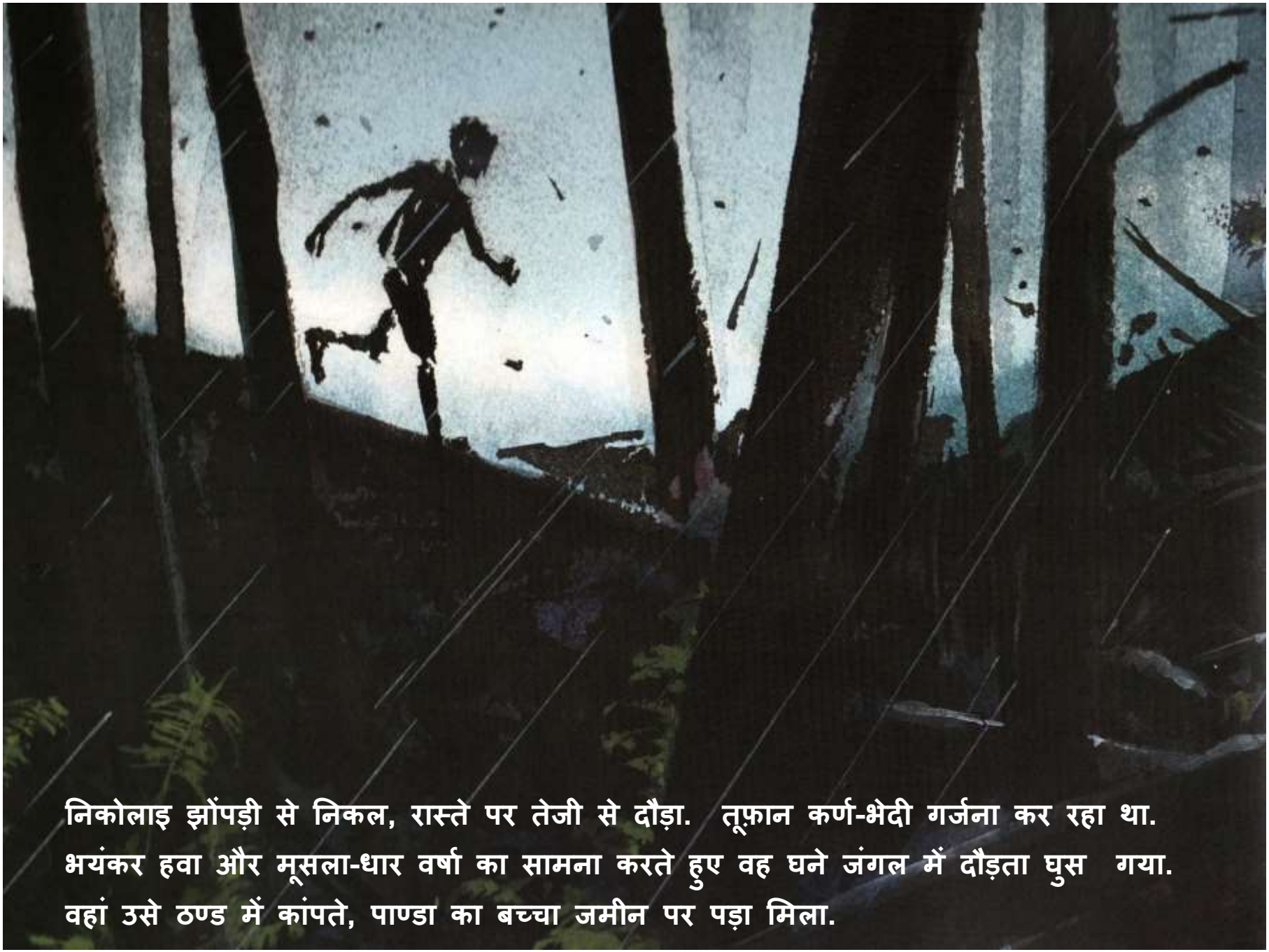

निकोलाइ झोंपड़ी से निकल, रास्ते पर तेजी से दौड़ा. तूफ़ान कर्ण-भेदी गर्जना कर रहा था. भयंकर हवा और मूसला-धार वर्षा का सामना करते हुए वह घने जंगल में दौड़ता घुस गया. वहां उसे ठण्ड में कांपते, पाण्डा का बच्चा जमीन पर पड़ा मिला.

नन्हा-सा पाण्डा गीला, डरा हुआ, पर जीवित था. निकोलाइ उसे झोंपड़ी में अंदर लाया, पौंछा, और गरमाहट दी. फिर उसे उसकी माँ की बाँहों में थमा दिया.

निकोलाइ का व्यवहार देखकर लियो मुस्कराया.

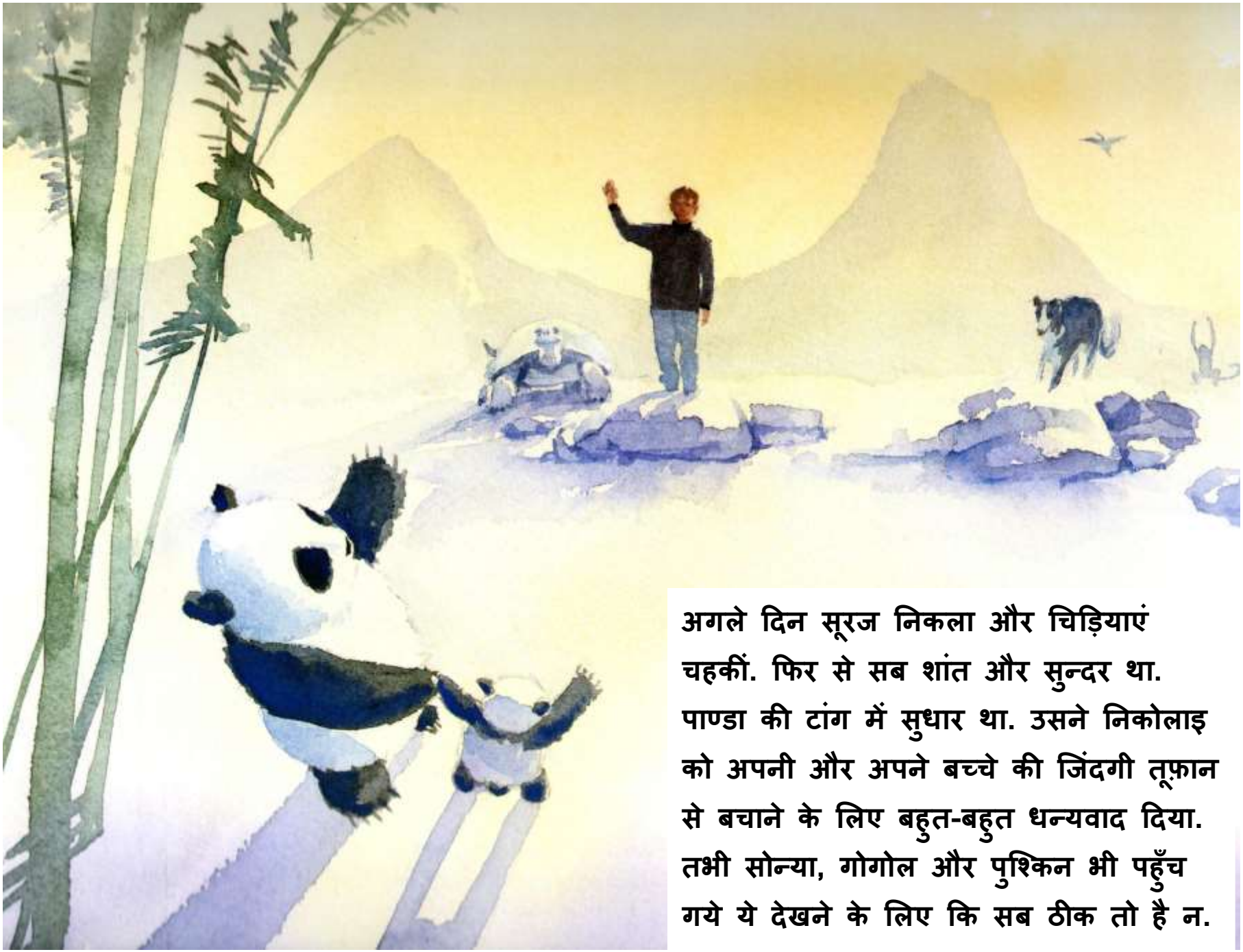

अगले दिन सूरज निकला और चिड़ियाएं चहकीं. फिर से सब शांत और सुन्दर था. पाण्डा की टांग में सुधार था. उसने निकोलाइ को अपनी और अपने बच्चे की जिंदगी तूफ़ान से बचाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया. तभी सोन्या, गोगोल और पुश्किन भी पहुँच गये ये देखने के लिए कि सब ठीक तो है न.

निकोलाइ को बहुत अच्छा लग रहा था. उसके मन में शांति थी. उसके पास अच्छे दोस्त थे. उसने अभी-अभी पाण्डा और उसके बच्चे का जीवन बचाया था. फिर भी वह निराश था; अभी तक उसे अपने तीन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिले थे. उसने लियो से एक बार फिर पूंछा.

बुड्ढे कछुए ने लड़के की और देखा.
"पर तुम्हारे प्रश्नों के उत्तर तो तुम्हें मिल गये!"
कछुआ बोला.
"मिल गये मुझे?" लड़के ने पूंछा.

"कल, अगर तुम मेरी बगीचे में खुदाई में मदद करने के लिए न रुकते तो तुम्हें पाण्डा का रोना-कराहना न सुनाई पड़ता. इसलिए सबसे महत्वपूर्ण समय वो था जो तुमने बगीचे में व्यतीत किया. उस समय मैं तुम्हारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था, और मेरे बगीचे की खुदाई, सबसे उचित काम.

बाद में जब घायल पाण्डा मिला तब सबसे महत्वपूर्ण समय था जो तुमने पाण्डा की टांग ठीक करने में व्यतीत किया. उस समय तुम्हारे लिए पाण्डा और उसका बच्चा ही सबसे महत्वपूर्ण थे. उन्हें बचाना और उनकी देखभाल करना ही उचित काम था."

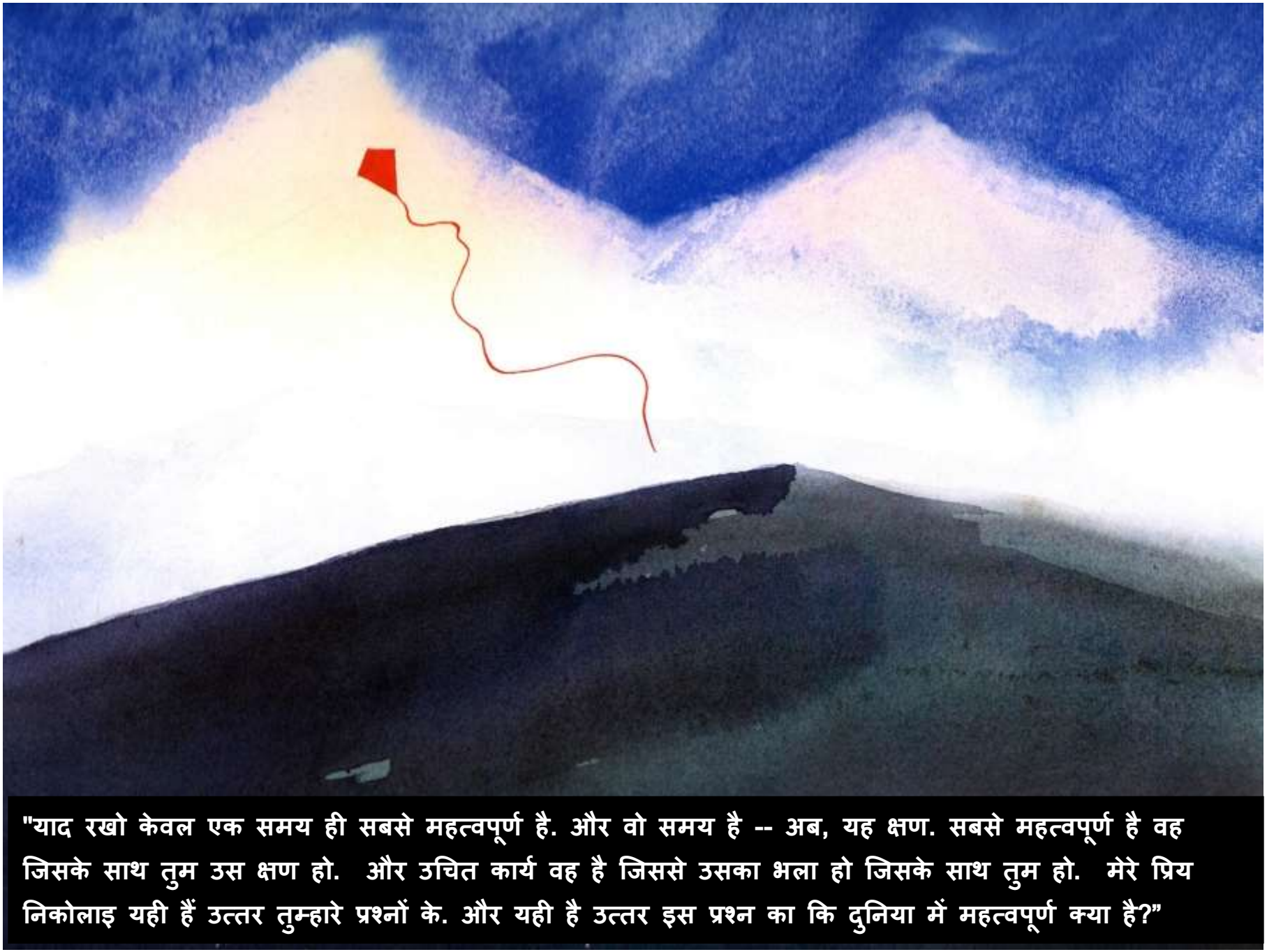

"याद रखो केवल एक समय ही सबसे महत्वपूर्ण है. और वो समय है -- अब, यह क्षण. सबसे महत्वपूर्ण है वह जिसके साथ तुम उस क्षण हो. और उचित कार्य वह है जिससे उसका भला हो जिसके साथ तुम हो. मेरे प्रिय निकोलाइ यही हैं उत्तर तुम्हारे प्रश्नों के. और यही है उत्तर इस प्रश्न का कि दुनिया में महत्वपूर्ण क्या है?"

"इसीलिये हम सब यहाँ हैं."

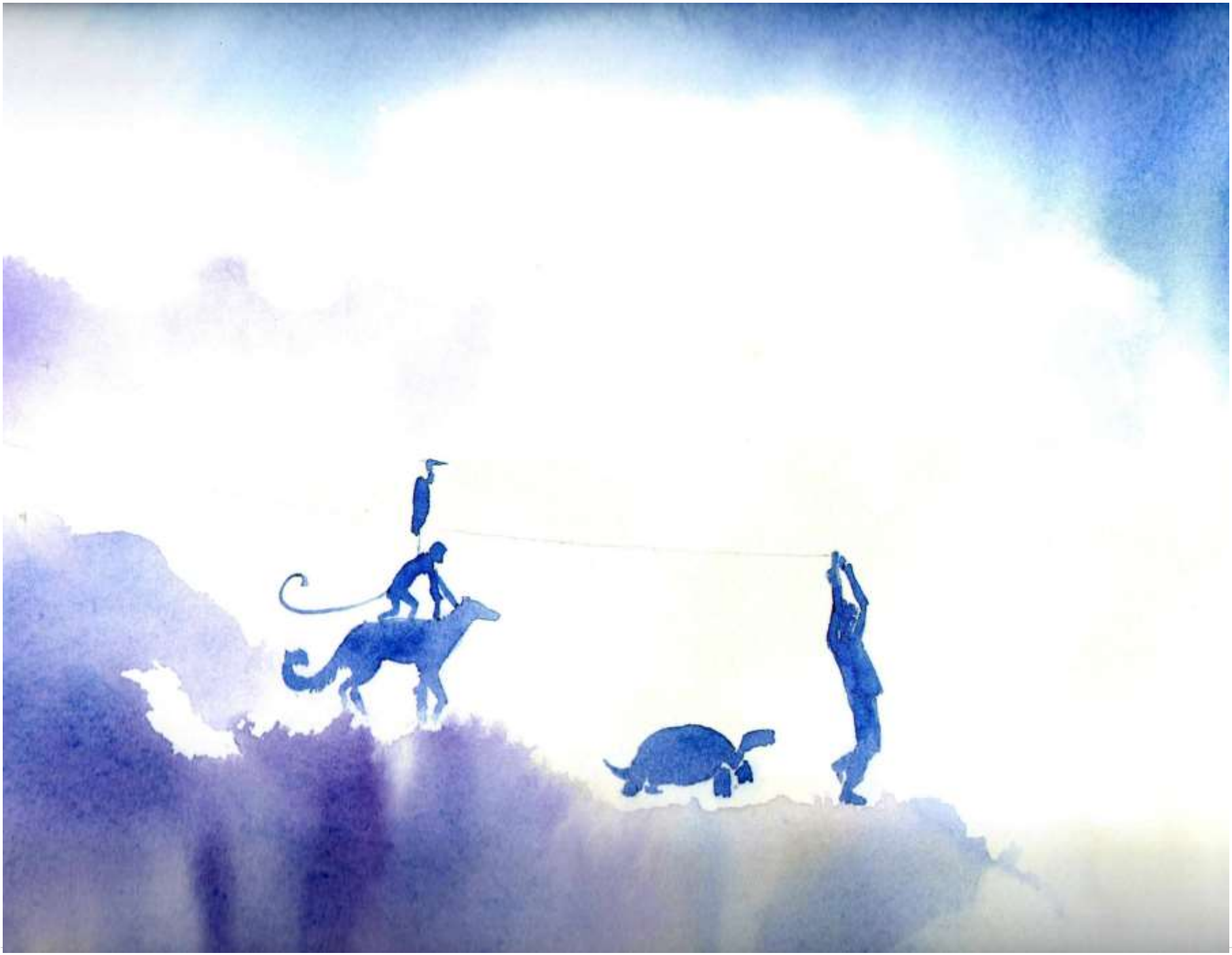

लेखक की ओर से

बहुत साल पहले मुझे वियतनामी ज़ेन मास्टर थिच न्हात हान्ह (Thich Nhat Hanh) की एक पुस्तक में "तीन प्रश्नों" की कहानी का सन्दर्भ मिला था. जब मैंने पहली बार यह कहानी पढ़ी तो मुझे ऐसा लगा जैसे कोई स्वर्ण-घंटी मेरे दिमाग में बज उठी हो. अचानक मुझे याद आया कि यह कहानी तो मुझे मुंह जबानी आती है! कुछ किताबों के साथ अक्सर ऐसा ही होता है -- मेरे लिए खासतौर पर लियो टॉलस्टॉय की किताबें.

असली कहानी एक लड़के और उसके जानवर दोस्तों की नहीं बल्कि सोविअत यूनियन में एक ज़ार की है जो "तीन प्रश्नों" के उत्तर की खोज में है. उसका एडवेंचर दूसरी तरह का था. वह पाण्डा और उसके बच्चे को बचाने के बजाय, गलती से अपने दुश्मन को बचा लेता है! इस तरह उन दोनों आदमियों में एक तगड़ा रिश्ता कायम हो जाता है. मैं उन पाठकों को, जो कि मानवीय रिश्तों का गूढ़ अध्ययन करना चाहते हैं, टॉलस्टॉय की इसी नामकी की असली कहानी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करूंगा.

मैं यह कहानी छोटे बच्चों को सुनाना चाहता था. इसलिए इसका रूप टॉलस्टॉय की असली कहानी से भिन्न है. मुझे आशा है टॉलस्टॉय मेरी कहानी से सम्मानित महसूस करेंगे. शायद वो मुस्करायें भी!

कहानी के जानवरों के नाम मैंने कई जगह से लिए हैं. पुश्किन और गोगोल रूस के प्रसिद्ध लेखकों के नाम हैं. सोन्या टॉलस्टॉय की पत्नी थीं। निकोलाइ टॉलस्टॉय के भाई का नाम है और मेरे बेटे का भी जिसको मैंने पुस्तक के चित्रों के लिए मॉडल की तरह प्रयोग किया है. पुश्किन मेरे असली कुत्ते रेमण्ड के रूप में चित्रों दिखाया गया है. कहानी का पाण्डा मेरी बेटी एडलीन है. और विद्वान कछुआ, लियो -- खुद टॉलस्टॉय!

काउण्ट लियो टॉलस्टॉय (१८२८ -१९१०) रूस के महान उपन्यासकारों, नैतिक दार्शिनिकों, और समाज सुधारकों में से एक थे. वे “युद्ध और शांति” (१८६५ - १८६९) एवं “एना-करेनिना” (१८७५ - १८७७) उपन्यासों के लेखक और उन्नीसवीं-शति के महान विचारक के रूप में प्रसिद्द हैं. उनकी कहानी “तीन प्रश्न,” जिसके ऊपर यह पुस्तक आधारित है, १९०३ में प्रकाशित हुई थी.

किसी काम के करने का ठीक समय क्या है?
सबसे महत्वपूर्ण कौन है?
कौनसा काम उचित है?